सर्वनाम की परिभाषा

जिन शब्दों का इस्तेमाल संज्ञा की जगह पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं.

सर्वनाम 2 शब्दों का योग करके बनता है: सर्व+नाम, इसका यह अर्थ है कि
जो नाम शब्द के स्थान पर उपयुक्त होता है उसे सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण: **वह** मोहन है।

इस वाक्य में शब्द **वह** '**सर्वनाम**' है। जो व्यक्ति के नाम की जगह पर मौजूद है।

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा अर्थात किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि,के नाम के स्थान पर करते हैं।
इसमें मैं, तुम, तुम्हारा, आप, आपका, इस, उस, यह, वह, हम, हमारा ,आदि शब्द आते हैं।

सर्वनाम के उदाहरण :

मैं	मैं लिखना पसंद करती हूँ।
मुझे	मुझे संगीत बहुत पसंद है।
वह	वह कल माँ के साथ बाजार जाएगी।
उसने	उसने मुझे फोन किया था।
मेरे	मेरे पास एक बुक है।
हम	हम कल मेले जायेंगें।
तुम	तुम कौन हो?
यहां	यहां बरसात हो रही है।

© www.ProWorksheet.com

सर्वनाम के भेद

हिंदी के मूल सर्वनाम 11 होते हैं, जैसे-

मैं	**वह**	**क्या**
तू	**जो**	**कोई**
आप	**सो**	**कुछ**
यह	**कौन**	**–**

सर्वनाम के 6 भेद होते हैं, जैसे कि-

- पुरुषवाचक सर्वनाम
- निश्चयवाचक (संकेतवाचक) सर्वनाम
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- संबंधवाचक सर्वनाम
- प्रश्नवाचक सर्वनाम
- निजवाचक सर्वनाम

© www.ProWorksheet.com